https://printo.it/pediatric-rheumatology/IN_HI/intro

स्क्लेरोडर्मा

के संस्करण 2016

1.स्क्लेरोडर्मा क्या है?

1.1 यह क्या है?

स्क्लेरोडर्मा एक यूनानी शब्द है जिसका अर्थ है सख्त चमडी। इस बीमारी में त्वचा चमकदार व सख्त हो जाती है। स्क्लेरोडर्मा के दो भिन्न प्रकार हैं 1- सीमित (लोकलाइज्ड) 2- फैली हुयी (सिस्टेमिक) स्क्लेरोडर्मा

सीमित स्क्लेरोडर्मा में बीमारी त्वचा व त्वचा के नीचे कोशिकाओं को प्रभावित करती है। इस बीमारी में आंख में यूवाइटिस व जोडों में गठिया रोग हो सकता है। यह एक धब्बे (मोरफिया) या एक सख्त लकीर की तरह (लीनियर स्क्लेरोडर्मा) हो सकती है।

सिस्टेमिक स्क्लेरोडर्मा (या सिस्टेमिक स्क्लेरोसिस) मे प्रक्रिया दूर तक फैली होती है और त्वचा के अतिरिक्त शरीर के अन्दरूनी अंग भी प्रभावित होते हैं।

1.2 यह कितने लोगो मे पायी जाती है?

स्क्लेरोडर्मा एक असामान्य बीमारी है और यह 100000 बच्चों में अधिक से अधिक 3 बच्चो में पायी जाती है। अधिकांश बच्चों में सीमित स्क्लेरोडर्मा पाया जाता है। यह बीमारी लडकियों को विशेषतया प्रभावित करती है। सिर्फ 10 प्रतिशत स्क्लेरोडर्मा से प्रभावित बच्चों में सिस्टेमिक स्क्लेरोसिस होता है।

1.3 इस बीमारी के क्या कारण हैं?

स्क्लेरोडर्मा प्रज्वलन वाली बीमारी है पर प्रज्वलन का कारण पता नही है। पर शायद यह एक आटोइम्यून बीमारी है जिसमें बच्चे की प्रतिरक्षा प्रणाली उसके शरीर के विरूद्ध कार्य करने लगती है। प्रज्वलन के कारण सूजन, गर्मी व फाइबरस पदार्थ ज्यादा बनते हैं।

1.4 क्या यह आनुवंशिक है?

नही स्क्लेरोडर्मा के आनुवंशिक होने के कोई सबूत नही है बावजूद इसके कि कुछ परिवारो में

यह बीमारी एक से ज्यादा व्यक्ति मे पायी गयी है।

1.5 क्या इससे बचाव संभव है?

नही इससे बचने का कोई साधन नही है। इसका मतलब है कि माता-पिता व मरीज इस बीमारी को होने से रोकने के लिए कुछ नही कर सकते है।

1.6क्या यह छुआछूत की बीमारी है?

नही कुछ कीटाणुओ के संक्रमण से इस बीमारी की शुरुआत हो सकती है पर यह बीमारी संक्रामक नही है और प्रभावित बच्चे को दूसरों से अलग करने की आवश्यकता नही है।